सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या : जयपुर सिटी/113/2024-26

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

वर्ष- 10 | अंक-17 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर, 15 दिसम्बर, 2025 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम का आह्वान

सीएम भजनलाल ने कहा... स्वच्छता समाज और सरकार दोनों की ही साझा जिम्मेदारी, इसे पूरा करें

जयपुर। (सफल राजस्थान) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वच्छता समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है तथा राज्य सरकार प्रदेश को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन स्वच्छता योद्धाओं का सम्मान और सहयोग कर इनका मनोबल बढ़ाएं ताकि ये स्वच्छता की मुहिम में और तेज गति से कार्य कर सकें। उन्होंने आह्वान किया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। शर्मा रविवार को जल महल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल महल हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर है। अपनी धरोहरों, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एक बड़ी चुनौती है। इसी क्रम में राज्य सरकार प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक की रोकथाम के लिए एक्शन प्लान लेकर आई है।

मुख्यमंत्री ने लगाई झाड़ू, आमजन को दिलाई स्वच्छता की शपथः इस अवसर पर शर्मा ने ऐतिहासिक जल महल की पाल पर श्रमदान व पौधारोपण कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने झाड़ू लगाई और कचरा संग्रहित किया तथा उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। शर्मा ने स्वच्छता योद्धाओं को पीपीई किट और चयनित लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि योजना के चेक वितरित करने के साथ ही रोड स्वीपिंग मशीन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 'इंप्लिमेंटेशन प्लान फॉर सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री सिटीज' पुस्तिका का विमोचन किया तथा स्वच्छता के कर्तव्य पट्ट पर हस्ताक्षर भी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन से राष्ट्रीय जागृति की शुरुआत की, जिससे देश में सड़कें और नालियां साफ होने के साथ ही लोगों की आदतों में भी बड़ा बदलाव आया। इस अभियान के तहत अब तक देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि आज यह मिशन जन स्वास्थ्य, महिलाओं के सम्मान और पर्यावरण जिम्मेदारी के प्रति दृष्टिकोण को नया आकार दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के जनआंदोलन में राजस्थान प्रमुखता से कार्य कर रहा है। प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 2 लाख 62 हजार व्यक्तिगत तथा 4 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। वहीं 42 हजार 492 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर संचालित किए गए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान ने जल स्रोतों, राजकीय कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों आदि की साफ-सफाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संसद हमले की 24वीं बरसी

शहीदों को याद कर भावुक हुआ देश, मोदी सहित सांसदों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। (सफल राजस्थान) 13 दिसंबर 2001 को जैश-ए-मोहम्मद के पांच आतंकवादियों ने संसद परिसर पर हमला किया था। इस हमले में दिल्ली पुलिस के छह जवान, संसद सुरक्षा सेवा के दो कर्मी और एक माली की जान चली गई थी। सुरक्षाबलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया था। भारत शनिवार को इस भीषण आतंकी हमले की 24वीं बरसी मना रहा है। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन भी श्रद्धांजलि देने के लिए संसद परिसर पहुंचे। श्रद्धांजलि समारोह में कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल, जितेंद्र सिंह और अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित अन्य सांसद भी उपस्थित रहे।

आतंकवादी फर्जी स्टिकर लगी एक कार में संसद परिसर में घुस आए थेः 13 दिसंबर 2001 को आतंकवादी गृह मंत्रालय और संसद के फर्जी स्टिकर लगी एक कार में संसद परिसर में घुस आए थे। हालांकि घटना से करीब 40 मिनट पहले ही लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी, लेकिन उस समय के गृह मंत्री एल.के. आडवाणी और तत्कालीन रक्षा राज्य मंत्री हरिन पाठक सहित कई सांसद और वरिष्ठ अधिकारी उन 100 से अधिक लोगों में शामिल थे, जिनके संसद भवन के अंदर मौजूद होने की आशंका थी। आतंकवादी नकली पहचान स्टिकरों की मदद से सुरक्षा घेरा तोड़ने में सफल हो गए थे। वे एके-47 राइफल, ग्रेनेड लॉन्चर, पिस्तौल और हैंड ग्रेनेड से लैस थे।

सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की कांस्टेबल कमलेश कुमारी आतंकवादियों को देखने वाली पहली सुरक्षाकर्मी थीं। उन्होंने तुरंत अलार्म बजाया, लेकिन आतंकवादियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक आतंकवादी की सुसाइड जैकेट उसके मारे जाने के बाद फट गई, जबकि शेष चार आतंकवादियों को भी सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया। परिसर में मौजूद सभी मंत्री और सांसद सुरक्षित बच गए। इस आतंकी हमले में कुल नौ लोगों की मौत हुई थी, जबकि कम से कम 17 अन्य घायल हुए थे।

पारम्परिक खेलों के माध्यम से खेलोगे तो खिलोगे का दिया संदेश

जयपुर। (सफल राजस्थान) चौगान स्टेडियम में रविवार को पारम्परिक खेलों का अनूठा संगम नजर आया। इस दौरान बालक,

किशोर, युवा, बुजुर्ग, पुरुष और महिलाएं सभी ने पारम्परिक खेलों के इस संगम में डुबकी लगाकर खेलोगे तो खिलोगे का संदेश दिया। सांसद खेल महोत्सव के तहत रविवार को जयपुर के चार विधानसभा हवामहल,किशनपोल ,सिविल लाइन्स और आदर्श नगर क्षेत्रों की खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इनमे सतोलिया ,रस्साकसी ,मटका दौड़ ,नींबू चम्मच जैसे पारम्परिक खेलों में लोगों ने उत्साह से साथ भाग लिया। इस दौरान सांसद मंजू शर्मा, भाजपा नेता चंद्र मोहन बटवारा के साथ कई सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए। रस्साकशी, मटका और निम्बू चम्मच दौड़ के दौड़ का लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इन खेलों में शामिल लोगों ने कहा कि उन्हें आज अपना बचपन याद आ गया। सचमुच बहुत मजा आया। ऐसे खेल होते रहने चाहिए। खेलों में आज किशनपोल, आदर्श नगर, सिविल लाइन एवं हवा महल विधानसभाओं से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि इन खेलों का उद्देश्य लोगों में खेल भावना जागृत करना है।

अल्बर्ट हॉल की बजाय विधानसभा में करेंगे बहस : मदन राठौड़

जयपुर। (सफल राजस्थान) भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुक्रवार को दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि गोविन्द सिंह डोटासरा के पास यदि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार से तुलना करने लायक तथ्य हैं तो वे अल्बर्ट हॉल की बजाय विधानसभा में बहस करें। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे कि वे विधानसभा सत्र के दौरान एक पूरा दिन कांग्रेस के पांच साल और भाजपा शासन के 2 वर्ष के कार्यकाल पर बहस करवाएं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और अन्य नेता झूठ का पुलिंदा लिए घूमते हैं। जिन लोगों ने राज्य की जनता के अमूल्य 5 वर्ष आपसी फूट और लड़ाई में बर्बाद कर दिए, वे आज जनता के लिए बेहतरीन काम कर रही सरकार के खिलाफ झूठी बातें परोस रहे हैं और विधानसभा में बहस करने से भाग रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में इन 2 वर्षों में राज्य की जनता के लिए भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। चाहे पानी के लिए

महतवपूर्ण समझौते करना हो, ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना हो, युवाओं को रोजगार देना हो, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास कार्य कराना हो-सभी क्षेत्रों में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस राज में राजस्थान जिस बदहाली के दौर से गुजर रहा था। वो किसी से छुपा हुआ नहीं है। महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपरलीक, महिला अत्याचार, साम्प्रदायिक दंगे और साइबर अपराध जैसे मामलों में राजस्थान देश में नम्बर 1 राज्य बन गया था। आज भाजपा की सरकार में राजस्थान की जनता को कांग्रेस के काले कारनामों से छुटकारा मिला है।

भाजपा सरकार ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई कर दोषी लोगों को कटघरे में खड़ा किया है। इन सभी विषयों पर प्रभावी कार्यक्रम-नीति बनाकर सभी वर्गों को राहत देने का काम इस सरकार ने किया और इन क्षेत्रों में 2 वर्ष के कालखंड में ही उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

सुशासन की दिशा में बढ़ते जयपुर जिला प्रशासन के कदम

जयपुर। (सफल राजस्थान) सुशासन की दिशा में जयपुर जिला प्रशासन के प्रयास लगातार जारी है। सुशासन सप्ताह से पहले वर्तमान सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 14 दिसंबर 2025 को राज्यव्यापी स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला परिषद जयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन पंचायत समिति सांगानेर की ग्राम पंचायत महापुरा में किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधायक बगरू कैलाश वर्मा, जिला प्रमुख रमा देवी चौपड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन गुप्ता, विकास अधिकारी ज्योति प्रजापति एवं सरपंच हनुमान चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत जिला परिषद जयपुर के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों द्वारा ग्राम पंचायत महापुरा स्थित राधा स्वामी मंदिर के समीप व्यापक साफ-सफाई एवं श्रमदान किया गया। इस दौरान कचरा, प्लास्टिक, पानी की बोतलें आदि एकत्र कर उन्हें हटाया गया तथा समस्त कचरे को आरआरसी सेंटर भेजा गया। साफ-सफाई उपरांत उपस्थित सभी जनों द्वारा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। तत्पश्चात विधायक कैलाश वर्मा द्वारा उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

गोविंद देवजी मंदिर में विशाल पर्यावरण संरक्षण एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा शिविर 21 फरवरी को

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वाँ वार्षिकोत्सव

जयपुर। (सफल राजस्थान) डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय 'मिशन 100 टीम ऊर्जा के साथ उत्सव' रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में 100 से अधिक सदस्यों वाली सशक्त, प्रशिक्षित और ऊर्जावान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन, फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है। यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया।

समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों में डॉ. अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, मनीष जैन, अंकुर जोशी, मुकुल गोस्वामी, प्रो. त्रिलोक जैन एवं गौमाता सेवार्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य-ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की। निर्देशक राहुल कुमार जैन ने संस्थान के प्लेटफ़ॉर्म और नई पहलों पर प्रकाश डाला। संस्थान के संस्थापक राहुल जैन, सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में अरिहंत ग्लोबल द्वारा विकसित किए गए अनेक प्रमुख डिजिटल मंचों और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मानव इन्वाइट्स, संचार मंच सेवाएँ (सी-पा.एस प्रकार की सेवाएँ) तथा अन्य डिजिटल समाधान, पिछले वर्षों में अनेक संगठनों, संस्थानों और ग्राहकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। उन्होंने इस अवसर पर इस वर्ष प्रारंभ किए गए डिजिटल एम्पावरमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से नवउद्यमियों (स्टार्टअप्स) लघु और मध्यम उद्योगों युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

इसका उद्देश्य है युवाओं, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर उन्हें रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना। वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान राशिका शर्मा को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में विनोद कुमावत, अंकुर, अंकित जैन, लोकेश मेहरा, आयुषी पाटनी, शैलेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, अमित गौतम, संजय कंवरिया तथा रवीना जांगिड़-को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन मिशन 100 टीम के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ सभी अतिथियों, टीम सदस्यों और उनके परिवारों ने एकजुट होकर भविष्य में नई ऊर्जा, नए नवाचार और मजबूत टीमभावना के साथ और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय किया।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी की मौजूदगी में हुआ 1008 कुंडीय हनुमान-महायज्ञ का भूमि पूजन

8 से 16 जनवरी तक होगी श्रीराम कथा, बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री आएंगे

जयपुर। (सफल राजस्थान) 'छोटी काशी' के नाम से विख्यात जयपुर एक बार फिर सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का विराट केंद्र बनने जा रहा है। आगामी माह में 8 से 16 जनवरी को सीकर रोड स्थित नींदड़ आवासीय योजना में आयोजित होने वाली श्री राम कथा एवं 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ की तैयारियों का शुभारंभ रविवार को भव्य भूमि पूजन के साथ हुआ।

14 दिसम्बर रविवार को प्रात: 9 बजे संत-महात्माओं के मार्गदर्शन में 101 पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं विधिवत अनुष्ठानों के साथ भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने संतों के सान्निध्य में विधिवत भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के दौरान यज्ञ स्थल पर 115 फीट ऊँचे केसरिया ध्वज का वैदिक विधि से पूजन कर यज्ञ भूमि की स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और जयघोष के बीच लहराता केसरिया ध्वज सनातन संस्कृति, धर्म और राष्ट्र गौरव का प्रतीक बनकर पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करता नजर आया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे आगामी महायज्ञ की दिव्यता, विराटता और ऐतिहासिक स्वरूप का शुभ संकेत बताया।

इस अवसर पर रविनाथ कुंज आश्रम हरमाड़ा जयपुर के महंत योगी भावनाथ महाराज एवं हाथोज धाम पीठाधीश्वर बालमुकुंदाचार्य,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल, मुकेश दाधीच प्रदेश उपाध्यक्ष बीजेपी, अमित गोयल जिलाध्यक्ष जयपुर शहर, अजीत मांडन प्रदेश मंत्री, राजेश ताम्बी जिला मंत्री, ,यज्ञाचार्य आचार्य बालकृष्ण कौशिक सहित अनेक संत-महात्मा मौजूद रहे, जिनके आशीर्वाद से आयोजन को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्राप्त हुई।

7 जनवरी को निकलेगी भव्य कलश यात्राः आयोजन समिति सदस्य एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि महायज्ञ के अंतर्गत 7 जनवरी को दोपहर 2 बजे सीकर रोड स्थित अलका सिनेमा से नींदड़ आवासीय योजना स्थित श्री राम कथा स्थल तक संत-महात्माओं के सान्निध्य में गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान श्रद्धालु महिलाएं सिर पर कलश धारण कर धार्मिक उल्लास के साथ भाग लेंगी।

जगतगुरु रामभद्राचार्य के सान्निध्य में होगा ऐतिहासिक आयोजनः सीकर रोड स्थित नींदड़ आवासीय योजना में जगतगुरु स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में 8 जनवरी से 16 जनवरी तक श्री राम कथा एवं 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान एक करोड़ 51 लाख हनुमान नाम आवृत्तियों के माध्यम से विश्व शांति, मानव कल्याण एवं राष्ट्र उत्थान की कामना की जाएगी।

दिया कुमारी ने दिया आमंत्रण

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, 8 से 16 जनवरी तक 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आज इसका भूमि पूजन संपन्न हुआ है। इतना भव्य आयोजन मेरे क्षेत्र में हो रहा है, यह गर्व का विषय है। मैं सभी श्रद्धालुओं से आग्रह करती हूँ कि इस यज्ञ में सहभागी बनें और संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त करें। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र का गौरव बढ़ता है।

सम्पादकीय ...

विमला देवी

प्रेम, त्याग और भक्ति की अमर ध्वजा मीरा बाई

भारतीय भक्ति परंपरा में कुछ ऐसे अनुपम नाम हैं, जो समय के प्रवाह के साथ नहीं बहते, बल्कि समय को ही अपने भीतर समाहित कर लेते हैं। संत-कवयित्री मीरा बाई ऐसा ही तेजस्वी, अद्वितीय और अमर चरित्र हैं। राजघराने में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने सांसारिक ऐश्वर्य की चमक को तिलांजलि देकर भक्ति, प्रेम और अध्यात्म को जीवन का वास्तविक शिखर माना। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण, विरोध, स्वतंत्रता और आत्मानुशासन की एक दिव्य यात्रा है, जिसके आगे राजसत्ता, समाज और परंपरा सबका वैभव फीका पड़ जाता है। यही कारण है कि 29 नवंबर को मनाई जाने वाली मीरा जयंती केवल एक जन्मदिन का उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम और स्वाधीनता की उस अनन्त पुकार का पर्व है, जिसे मीरा ने अपने जीवन और वाणी में साकार किया। कहा जाता है कि एक बार उन्होंने अपने हाथों में श्रीकृष्ण की प्रतिमा देखी और भोलेपन से प्रश्न किया मेरा दूल्हा कौन है,उत्तर मिला श्रीकृष्ण। बस, उसी क्षण से मीरा का हृदय नंदलाल पर ऐसा मोहित हुआ कि उन्होंने जीवनभर स्वयं को कृष्ण का प्रियतम और अनन्य सेवक माना।

राम-रतन धन पायो: केवल एक भक्ति-गीत नहीं, बल्कि जीवन के सत्य को पहचान लेने की अनुभूति है। मीरा के गीतों में प्रेम वेदना है, भक्ति की निष्कपटता है और आत्मसमर्पण की ऐसी धारा है, जिसमें मन शांति के साथ बहता चला जाता है। मीरा का जीवन केवल भक्ति का आलाप नहीं, बल्कि साहस और आत्मसम्मान का घोष भी है। राजपूत राणा वंश में जन्मी मीरा से अपेक्षा थी कि वह

महलों की मर्यादाओं में बंधकर जीवन बिताएंगी, परंतु उनका मन राजदरबार के ठाठ-बाट में नहीं, मंदिरों और संत-साधुओं की संगति में रमण करता था। दरबार इसे प्रतिष्ठा के विरुद्ध मानता था। यहीं से मीरा की जीवन-यात्रा संघर्ष के कठोर मार्ग पर मुड़ जाती है। इतिहास और लोक-कथाएं बताती हैं कि उन्हें रोकने के लिए अनेक कठोर उपाय किए गए,विष दिया गया, सांप भेजा गया, पर हर बार मीरा की भक्ति उनका कवच बनकर खड़ी रही। इन घटनाओं का सार यह है कि मीरा केवल एक भक्त नहीं थीं,वह आध्यात्मिक विद्रोह का जीवंत प्रतीक थीं।

मीरा का साहित्य: मीरा बाई की रचनाएं भक्ति साहित्य का वह स्त्रोत हैं, जिनसे अनगिनत पीढ़ियां आज भी रस ग्रहण करती हैं। उनके पद किसी जटिल काव्य-शैली में नहीं, बल्कि अत्यंत सरल भाषा में हैं,लेकिन अर्थ इतने गहरे कि मन और आत्मा दोनों को स्पर्श कर जाते हैं। उनके काव्य में विरह की तपस्या है, प्रेम का उल्लास है, और संसार से वैराग्य का गहन अनुभव भी। उनका सर्वाधिक लोकप्रिय पद-मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई। सदियों से हर हृदय में गूंजता रहा है। यही वह पद है जिसने मीरा को जन-जन का प्रिय बना दिया। मीरा का साहित्य किसी ग्रंथ का दास नहीं, वह लोक की धड़कन में, हर भक्त के नेत्रों की आर्द्रता में, हर गवैये की स्वर-लहरियों में आज भी जीवित है। उनकी रचनाओं में हम यह देखते हैं कि प्रेम का लक्ष्य केवल मिलन नहीं, बल्कि आत्मा का परिष्कार है।

मीरा की प्रासंगिकता : आज नारीवाद अनेक विचारधाराओं में बंटा है, परंतु मीरा बाई ने स्त्री-स्वतंत्रता की घोषणा उस समय कर दी थी, जब समाज में स्त्री को अपने निर्णय तक कहने का अधिकार नहीं था। मीरा ने यह स्पष्ट दिखाया कि स्त्री अपनी आस्था, प्रेम और जीवन-मार्ग स्वयं चुन सकती है। उन्होंने न केवल परिवार और समाज की संकीर्णता को चुनौती दी, बल्कि यह स्थापित किया कि स्त्री की स्वतंत्रता स्वाभाविक है,उसे किसी से भीख में नहीं मांगना पड़ता। मीरा का जीवन बताता है कि असली स्वतंत्रता बाहरी बंधनों के टूटने में नहीं, बल्कि भीतर की निर्भयता में है। उनके गीत स्त्री की आत्मा की अनंत उड़ान का साक्ष्य हैं। वह कहती हैं। आज का समय भौतिकता, तनाव, स्पर्धा और संबंधों के कृत्रिमपन से ग्रस्त है। मनुष्य बाहर से जितना संपन्न होता जा रहा है, भीतर से उतना ही रिक्त। मीरा का संदेश ऐसे दौर में और अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि प्रेम का वास्तविक स्वरूप समर्पण है, और भक्ति किसी भय या दंड का मार्ग नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मशांति की ओर ले जाने वाली साधना है।

मन की निर्मलता: मीरा हमें सिखाती हैं कि जीवन की सच्ची संतुष्टि बाहरी प्रशंसा या उपलब्धि में नहीं, बल्कि मन की निर्मलता और आत्मा की प्रसन्नता में है। उनके पद में मनुष्य का सुख भौतिक वस्तुओं का परिणाम नहीं, बल्कि उसके भीतर की अवस्था का प्रतिबिंब है।

पाठकों के पत्र

[illegible] इस पते पर लिखें।

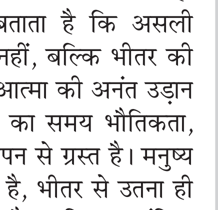

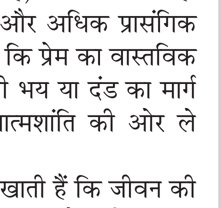

सफल राजस्थान

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 9214466661

प्रदूषण के कारकों के खात्मे की जरूरत

हालात की भयावहता का सबूत यह है कि देश की 70 फीसदी से ज्यादा आबादी रोजाना असुरक्षित हवा में सांस ले रही है। प्रदूषण का असर अब दमा, हृदय रोगों से भी कहीं आगे बढ़ गया है। अब यह कैंसर और मेटाबोलिक विकार को भी पार कर गया है। अब वातावरण में मानक से भी ढ़ाई गुणा प्रदूषक कण मौजूद हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। हालात की गंभीरता का प्रमाण यह है कि डाक्टर दिल्ली वालों को कुछ दिनों के लिए पहाड़ों पर जाने की सलाह दे रहे हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र की मानें तो दिल्ली में हानिकारक जहरीली गैसों यथा नाइट्रोजन डाय आक्साइड और कार्बन मोनोक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। राजधानी के प्रदूषण में लगभग 51.5 फीसदी योगदान वाहनों के उत्सर्जन का है।

आज देश गंभीर वायु प्रदूषण के दौर से गुजर रहा है। इसका दुष्प्रभाव भयावह स्तर पर स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। वायु प्रदूषण प्रमुख पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है, जिसका प्राणी जगत पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। सच कहें, तो वायु प्रदूषण के लिए मानवजनित स्त्रोत ही वे अहम तत्व हैं, जो बाहरी तत्वों से मिलकर वायु की गुणवत्ता में कमी लाते हैं, जो मानव जाति और जीव-जंतुओं के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। इसी जानलेवा हवा में कार्बन डाई आक्साइड, कार्बन मोनो आक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, क्लोरीन, सीसा, अमोनिया, कैडमियम, धूल आदि मानवजनित वायु प्रदूषक तत्वों की अहम भूमिका होती है। हमारा देश दुनिया के प्रदूषित देशों की सूची में शामिल है। यहां हर साल तकरीबन 20 लाख से ज्यादा लोग प्रदूषित हवा के चलते मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन: वायु प्रदूषण में सर्वाधिक योगदान जीवाश्म ईंधन और बायोमास के जलाने से होता है, जो परिवहन, ऊर्जा उत्पादन, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों में होते हैं। इन गतिविधियों से निकलने वाली गैसें जैसे कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन आक्साइड, नाइट्रोजन डाय आक्साइड तथा सूक्ष्म कण पार्टिकुलेट मैटर यानी पी एम वायुमंडल को प्रदूषित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो गरीब और मध्यम आय वर्ग के देश घरेलू और बाहरी दोनों तरह के वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। भारत जैसे देश में अधिकतर जनसंख्या राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानकों से ज्यादा प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर है। वैज्ञानिक विश्लेषणों से यह साबित हो चुका है कि कोयला और परिवहन उत्सर्जन के दो प्रमुख स्त्रोत हैं। ये दोनों वायु प्रदूषण के सबसे खतरनाक रूपों में बड़े भूभाग को प्रभावित करते हैं। यह भी कि वायु प्रदूषण से जुड़ी होने वाली स्वास्थ्य समस्यायें अक्सर एयरोसोल से जुड़ी होती हैं। एयरोसोल हवा में निलंबित सूक्ष्म ठोस या तरल लवण होते हैं, जो अक्सर दिखाई नहीं देते।

स्वास्थ्य पर प्रभाव: इनका निर्माण प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों स्त्रोतों से होता है। इनका आकार कुछ नैनोमीटर से लेकर कई माइक्रोमीटर तक हो सकता है। इसे कणों के आधार पर पी एम 2.5 आदि नामों से जाना जाता है। एयरोसोल में यह धुंआ, कोहरा और औद्योगिक प्रदूषण कण हैं। ये कण वायुमंडल में निलंबित धूल, समुद्री नमक, ज्वालामुखी की राख, धुंआ, पेड़ों से निकलने वाला रसायन और विभिन्न प्रकार के उत्सर्जन जैसे जीवाश्म ईंधन जलने यथा कारों और कारखानों से निकलने वाला प्रदूषण और औद्योगिक प्रदूषण आदि रूपों में पाया जाता है। यह जलवायु, मौसम और स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। एयरोसोल में मौजूद विषाक्त पदार्थ शरीर में विषाक्तता सम्बंधित प्रतिक्रियाओं को जन्म देते हैं। इसके चलते श्वसन सम्बंधी, लीवर,तंत्रिका तंत्र,आंख और त्वचा की समस्या पैदा होती है। इसके लम्बे समय तक संपर्क में रहने से फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके प्रभाव से पौधे और जानवर भी अछूते नहीं रह गये हैं।

शरीर को नुकसान: एयरोसोल के कण फेफड़ों में जलन पैदा कर सकते हैं और अत्याधिक सान्द्रता के कारण श्वसन तंत्र को अवरुद्ध भी कर सकते हैं। यहां तक कि यह मृत्यु का कारण भी बन सकते हैं। इसके सूक्ष्म कणों से होने वाले वायु प्रदूषण से हृदय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण आपके फेफड़े, दिल, दिमाग ही नहीं, पूरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। शरीर का कोई अंग ऐसा नहीं है, जो इसके प्रभाव से अछूता हो। इस बाबत देश के 80 से ज्यादा पद्म पुरस्कार प्राप्त डाक्टरों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है कि भारत में सभी श्वसन संबंधी मौतों में से एक तिहाई से अधिक वायु गुणवत्ता से जुड़ी हैं। इसके अलावा स्ट्रोक से होने वाली लगभग 40 फीसदी मौतों के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। जिन परिवारों के पास एयर प्यूरीफायर नहीं है, उनको रोजाना गीले कपड़े से सफाई करना, अगरबत्ती, धूपवत्ती, कपूर और मास्क्यूटो कौइल से बचना चाहिए।

असुरक्षित हवा: हालात की भयावहता का सबूत यह है कि देश की 70 फीसदी से ज्यादा आबादी रोजाना असुरक्षित हवा में सांस ले रही है। प्रदूषण का असर अब दमा, हृदय रोगों से भी कहीं आगे बढ़ गया है। अब यह कैंसर और मेटाबोलिक विकार को भी पार कर गया है। अब वातावरण में मानक से भी ढ़ाई गुणा प्रदूषक कण मौजूद हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। हालात की गंभीरता का प्रमाण यह है कि डाक्टर दिल्ली वालों को कुछ दिनों के लिए पहाड़ों पर जाने की सलाह दे रहे हैं। विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र की मानें तो दिल्ली में हानिकारक जहरीली गैसों यथा नाइट्रोजन डाय आक्साइड और कार्बन मोनोक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। राजधानी के प्रदूषण में लगभग 51.5 फीसदी योगदान वाहनों के उत्सर्जन का है। इसके बाद आवासीय उत्सर्जन और दूसरे कारक जिम्मेदार हैं। राजधानी में मुख्य रूप में प्रदूषण वाहनों और दहन स्त्रोतों से हो रहा है। हकीकत में दिल्ली के तकरीबन 11 से अधिक स्थानों पर एक्यूआई 400 के पार है। वायु प्रदूषण अब एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। अब इसका दीर्घकालिक उपाय ढूंढना जरूरी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि कि मामला बेहद गंभीर है।

बच्चों के भविष्य की रोशनी जगाता यूनिसेफ

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतरराष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया। यूनिसेफ के गठन में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती।

चार श्रम संहिता: आत्मनिर्भर भारत व नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक और चरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार श्रम सुधारों की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। नयी श्रम संहिताएँ इन्हीं सुधारों का अगला चरण हैं जिनका श्रमिक संगठनों की ओर से व्यापक स्वागत किया जा रहा है। यह चार नए श्रम सुधार व्यापक और सर्वहितकारी हैं। श्रमेव जयते की भावना से कार्य करने वाली मोदी सरकार आने के बाद से श्रमिक वर्ग का सम्मान और उनके लिए सुविधाएं दोनों लगातार बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री स्वयं हर महत्वपूर्ण समारोह में श्रमिकों का सम्मान करते हैं, फिर चाहे वो अयोध्या में दिव्य- भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हो या नए संसद भवन या फिर दिल्ली स्थित भारत मंडपम का उद्घाटन।

मोदी सरकार द्वारा लागू चार नई श्रम संहिताओं के माध्यम से श्रमिक वर्ग के लिए सामाजिक सुरक्षा, समय पर वेतन और सुरक्षित कार्यस्थल की व्यवस्था सुनिश्चित होगी। यह नई संहिताएं श्रमिक वर्ग के लिए बेहतर और लाभकारी अवसरों के लिए एक सशक्त नींव बनाएंगी। श्रमिकों के लिए पहली बार वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 व व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां संहिता 2020 लागू करने की महती घोषणा की गई है।

महिला कर्मचारियों के लिए पहली बार व्यापक संहिता: चार नई श्रम संहिताओं में पहली बार महिलाओं के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। भारत के श्रम इतिहास में पहली बार महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षा के साथ सभी क्षेत्रों में रात्रि पाली में काम की छूट तथा परिवार की परिभाषा में उन्हें अपने सास-ससुर को भी जोड़ने का अवसर दिया गया है। नई श्रम संहिता के अनुसार महिलाएं खनन सहित सभी उद्योगो में काम कर सकेंगी। इस कदम से महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे यद्यपि ऐसे कार्यों में उनकी नियुक्ति उनकी इच्छा से ही कि जाएगी। नए कानून में महिला श्रमिको को बराबरी का दर्जा दिया जा रहा है। सहमति से और अनिवार्यत: सुरक्षा के साथ वह रात की पाली में भी काम कर सकेगी।पहली बार समान काम समान वेतन सहित 26 सप्ताह का वेतन सहित मातृत्व लाभ तथा शिशु पालन संहिता के अंतर्गत घर से काम करने की सुविधा भी दी जा रही है।

गिग वर्कर्स के लिए पहल: नई श्रम संहिता में गिग और प्लेटफार्म यानी रैपिडो, जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर से जुड़े कामगारों को भी पारिभाषित किया गया है। चार श्रम संहिता में वर्तमान 29 कानून को भी समाहित कर लिया गया है।

युवा श्रमिकों को अवकाश के दिनों का भी वेतन: नए श्रम कानूनों में पहली बार युवा श्रमिकों को अवकाश के दिनों का भी वेतन मिलेगा तथा सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी दी जा रही है। नियुक्त पत्र अनिवार्य करने से सामाजिक सुरक्षा रोजगार विवरण को बढ़ावा मिलेगा। नए श्रम कानूनों से अब नियोक्ता मजदूरों का शोषण नहीं कर सकेंगे। नए श्रम कानूनों में निश्चित अवधि वाले कर्मचारियों को स्थायी जैसे लाभ जिसमें सामाजिक सुरक्षा कवर, चिकित्सा सवेतन अवकाश सहित समस्त लाभ मिलेंगे। इलेक्ट्रानिक मीडिया, डिजिटल कामगारों को भी इन कानूनों का लाभ मिलेगा। नई श्रम संहिताएं 45 दिनों के अंदर ही लागू हो जाएंगी।

नयी श्रम संहिता, श्रम कानूनों के इतिहास का सबसे बड़ा सुधार होने के साथ साथ बदलती श्रम आवश्यकता को भी संबोधित करती है। श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, महिला श्रमिकों के लिए समान अवसर और गिग व संगठित कामगारों के लिए कानूनी पहचान सुनिश्चित करने वाली ये चारों संहिताएं उनके जीवन स्तर में सुधार लाएंगी। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विशेषज्ञों का मत है कि यह कानून साल 2047 तक विकसित भारत के नए लक्ष्य को गति प्रदान करेंगे।

श्रम सुधारों का उद्योग जगत ने व्यापक स्वागत किया है। इन सुधारों से श्रमिकों की दशा बदलेगी और उनके जीवन में भी व्यापक बदलाव आएगा। महिलाओं को रात की पाली मे काम करने की अनुमति मिलना सरकार का कानून व्यवस्था पर आत्मविश्वास दर्शाता है। नए सुधारों से अब औद्योगिक क्षेत्रों के साथ ही लघु उद्योगों में भी वृद्धि होगी। नए श्रम कानूनों के कारण अब पुराने के साथ ही नए उद्योगों का भी विकास होगा। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों के जीवन में नया सूर्योदय लेकर आने वाली हैं।

जैविक आतंकवाद का बढ़ता खतरा

योटेररिज्म यानी जैविक आतंकवाद एक ऐसा खतरा है, जिसमें जीवाणु, वायरस, विषैले पदार्थ या अन्य जैविक एजेंटों का इस्तेमाल इंसानों,पशु-पक्षियों या फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है। बायोटेररिज्म यानी जैविक आतंकवाद एक ऐसा खतरा है, जिसमें जीवाणु, वायरस, विषैले पदार्थ या अन्य जैविक एजेंटों का इस्तेमाल इंसानों,पशु-पक्षियों या फसलों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है। यह पारंपरिक आतंकवाद से बहुत ज्यादा खतरनाक हो सकता है क्योंकि जैविक एजेंट हवा, पानी, खाद्य पदार्थों या सीधे संपर्क से तेजी से फैल सकते हैं तथा लोगों का जीवन प्रभावित कर सकते हैं। जैविक आतंकवाद को आधुनिक समय का सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। जीवाणुओं और विषाणुओं का इस्तेमाल करके खतरनाक बीमारियां फैलाई जा सकती हैं। आतंकवाद के बढ़ते उग्र स्वरूप और जैव प्रौद्योगिकी में हो रहे विकास ने इस खतरे को और अधिक गंभीर बना दिया है। कुछ आतंकवादी संगठन, सिरफिरे लोग तथा तानाशाह इन जैविक हथियारों को हासिल करने और उनका दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। यह खतरा इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि जैविक हमलों का पूर्वानुमान लगाना और प्रतिक्रिया देना मुश्किल होता है।

जैविक हथियारों का खतरा: जैविक आतंकवाद के सबसे संभावित एजेंट जीवाणु, विषाणु और टॉक्सिन होते हैं। जैसे एंथ्रेक्स जैसी बीमारी बैसिलस एंथ्रासिस नामक बैक्टीरिया से होती है, जो अधिकतर पशुओं में पाया जाता है,लेकिन इंसानों में भी संक्रमण फैला सकता है। जैविक हथियारों का खतरा कपोलकल्पित नहीं है। इतिहास में जैविक हथियारों का प्रयोग भी दर्ज है। उदाहरण के लिए, मध्यकालीन युग में तुर्की और मंगोल सैनिक संक्रमित पशुओं के शवों को शत्रु नगरों में फेंक कर बीमारी फैलाने की कोशिश करते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान ने चीन के खिलाफ इस तरह का प्रयोग किया था। आधुनिक काल में जैविक आतंकवाद का सबसे चर्चित मामला 2001 में अमेरिका में एंथ्रेक्स के संक्रमण का है। संक्रमित पत्रों के माध्यम से एंथ्रेक्स फैलाया गया, जिसमें कई लोगों की मौत हुई। इस घटना के बाद जैविक सुरक्षा और जैव आक्रमण से रक्षा की तरफ विश्व का ध्यान एक बार फिर गया। हालांकि, आतंकी संगठनों द्वारा जैविक हथियारों के इस्तेमाल के मामले अब भी दुर्लभ हैं, लेकिन आतंकी संगठनों पर जैविक हथियारों के विकास और संभावित प्रयोग का संदेह हमेशा बना रहता है।

वैश्विक चिंता बढ़ी: कोरोना वायरस महामारी के बाद जैविक आतंकवाद को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ी है। अब संक्रामक रोगों को महामारी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने के जोखिम को समझा जाने लगा है। जैविक आतंकवाद के हमले से दुनिया को होने वाले नुकसान का ठीक-ठीक आकलन भी कठिन है, क्योंकि इसके प्रभाव लंबे समय तक चलने वाले हो सकते हैं। जैविक हथियारों से जान का ही नुकसान नहीं होता, बल्कि सामाजिक-आर्थिक स्थिरता पर भी गहरा असर पड़ता है। घायल या बीमार व्यक्तियों की संख्या इतनी अधिक हो सकती है कि अस्पताल और स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाए। केवल जैविक एजेंटों के फैलने की क्षमता ही चिंता का विषय नहीं है, बल्कि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही उन्नत तकनीकों के शैतानी इस्तेमाल की आशंका भी बनी हुई है। जैविक आतंकवाद मानवता के लिए एक गहरा और जटिल खतरा है। यही वजह है कि भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने हाल ही जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ से जुड़े सम्मेलन के अवसर पर जैविक आतंकवाद के मसले को उठाया और कहा कि यह एक गंभीर खतरा है।

जैविक हथियार संधि: इसके लिए पूरी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को तैयार रहना होगा। उन्होंने ग्लोबल बायोसिक्योरिटी फ्रेमवर्क को मॉडर्न बनाने और उसे मजबूत करने की अपील की। बीडब्ल्यूसी को प्रभावी बनाए रखने के लिए संधि को आधुनिक विज्ञान और वैश्विक क्षमताओं के अनुरूप अपडेट करना आवश्यक हो गया है। जैविक हथियार संधि एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि है जिसे 1975 में लागू किया गया था। इसका उद्देश्य बैक्टीरिया, वायरस और विषाक्त पदार्थों के उत्पादन, भंडारण, हस्तांतरण और उपयोग को पूरी तरह से रोकना है। यह संधि जैविक हथियारों के विकास और उपयोग को प्रतिबंधित करने वाली बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण संधि है। बीडब्ल्यूसी ने ऐसे मामलों को रोकने के लिए एक नैतिक और कानूनी लाइन खींची है और संदेश दिया है कि बीमारी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। पचास वर्ष बाद भी बीडब्ल्यूसी के सामने कई चुनौतियां हैं।

राजस्थान देश में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट बनकर उभरा : मंत्री कर्नल राठौड़

दौसा। (सफल राजस्थान) जिला प्रभारी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के शुरुआती दो साल में ही महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय कर उनकी धरातल पर बेहतर क्रियान्विति सुनिश्चित की है, जिससे राजस्थान देश में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मात्र दो साल में ही जनता से किए संकल्पों में से 70 फीसदी संकल्प पूर्ण कर दिए हैं या प्रगतिरत है। प्रभारी मंत्री शनिवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दे रहे थे।

जिला प्रभारी मंत्री राठौड़ ने कहा कि हमने दो साल पहले जनहित के 392 संकल्प लिए थे। सरकार का गठन होते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन संकल्पों को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए और उनकी ठोस क्रियान्विति आरंभ की, जिसके परिणामस्वरूपम मात्र दो साल में ही 274 संकल्प पूर्ण कर दिए हैं या प्रगतिरत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रभावी और पूर्ण पारदर्शी कार्यप्रणाली ने राजस्थान को देश के बेस्ट परफॉर्मर स्टेट की श्रेणी में पहुंचा दिया है। राज्य को बेस्ट परफॉर्मर के कई अवॉर्ड मिले हैं। केन्द्र सरकार की 11 राष्ट्रीय योजनाओं में राजस्थान प्रथम स्थान पर है, जबकि 5 योजनाओं में द्वितीय एवं 9 योजनाओं में तृतीय स्थान पर है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना को प्राथमिकता पर लेते हुए परियोजना को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए 26 हजार करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। परियोजना से पूर्वी राजस्थान के दौसा सहित 17 जिलों में 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई और लगभग 3 करोड़ आबादी की पेयजल जरूरतें पूरी हो सकेंगी। जल जीवन मिशन के तहत 10 हजार 482 करोड़ रुपये व्यय कर 13 लाख 59 हजार ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित करने के लिए पिछली भर्तियों की जांच करने के साथ पारदर्शी तरीके से लगातार नई भर्तियां करवा रहे हैं। वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी कर बिना पेपर लीक 296 परीक्षाएं समय पर आयोजित की गई हैं। अब तक 90 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई एवं एक लाख 53 हजार पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उन्होंने कहा कि किसानों को सक्षम और सबल बनाने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत दी जाने वाली वार्षिक राशि 6 हजार रुपए में राज्य सरकार की ओर से 3 हजार रुपये जोड़कर 9 हजार रुपये कर दिया है। इसके तहत 76 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार 432 करोड़ रुपए सीधे उनके खातों में भेजे जा चुके हैं। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली देने के वादे पर खरे उतरते हुए प्रदेश के 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिल रही है और शेष जिलों में भी दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दौसा जिले की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के कारण राइजिंग राजस्थान का सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। यहां दौसा-बांदीकुई नगर सुधार न्यास का गठन कर बहुउद्देशीय आवासीय योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है और इण्डस्ट्रीयल एण्ड लॉजिस्टिक हब एवं स्टोन मण्डी के लिए रीको को भूमि आवंटित कर दी गई है। इससे यहां बड़े उद्योग लगने के साथ असंख्य छोटे-बड़े उद्यम विकसित होंगे और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इस अवसर पर सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल, महवा विधायक राजेन्द्र मीणा, बांदीकुई विधायक भागचंद टांकड़ा, लालसोट विधायक रामबिलास मीणा, जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक सागर राणा, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदीचंद गंगवाल, पूर्व मंत्री वीरेन्द्र मीणा, पूर्व विधायक शंकरलाल शर्मा, पूर्व विधायक कन्हैयालाल मीणा, जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रैला, जगमोहन मीणा, जिला प्रभारी सोमकांत शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

टाइगर फेस्टिवलः दिया कुमारी ने फोटो प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जयपुर। (सफल राजस्थान) उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को जवाहर कला केंद्र में आयोजित जयपुर टाइगर फेस्टिवल 2025 की भव्य फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी वन्यजीव प्रेमियों, फोटोग्राफरों और आयोजकों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रदर्शनी में वन्यजीव संरक्षण, विशेष रूप से बाघों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखने के संदेश को प्रभावशाली तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शित चित्र न केवल बाघों की सुंदरता और गरिमा को दर्शाते हैं, बल्कि उनके संरक्षण की आवश्यकता पर भी गहन सोच के लिए प्रेरित करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रकृति, पर्यावरण और जैव विविधता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह प्रदर्शनी भावी पीढ़ियों के लिए वन्यजीव संरक्षण के संकल्प को और मजबूत करती है तथा समाज को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश देती है। इस दौरान दिया कुमारी ने पारंपरिक राजस्थानी कला मांडना भी स्वयं बनाया । उन्होंने कहा कि मांडना केवल सजावटी कला नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और लोक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

स्मार्ट मीटर पर सियासत

ऊर्जा मंत्री बोले... ईमानदार उपभोक्ताओं को नहीं, गड़बड़ी करने वालों को है दिक्कत

बूंदी। (सफल राजस्थान) प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर चल रहे विरोध और राजनीतिक बहस के बीच ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी हीरालाल नागर ने कहा कि ईमानदार उपभोक्ताओं को कोई परेशानी नहीं है, दिक्कत केवल वे लोग हैं जो गड़बड़ी करते रहे हैं। उन्होंने विरोध को 'प्रायोजित' करार देते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक तत्व भ्रम फैला रहे हैं। सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री नागर ने कहा कि जो माहौल बनाया जा रहा है, वह वास्तविक जनभावना का प्रतिनिधित्व नहीं करता। समय पर बिल चुकाने वालों को डरने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि विरोध स्वत:स्फूर्त नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। मंत्री ने दूसरे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि असम, बिहार जैसे राज्यों में भी स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए पूछा, 'अगर दूसरे राज्य आगे बढ़ सकते हैं।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सड़क सुरक्षा सप्ताह का किया शुभारंभ

जयपुर। (सफल राजस्थान) कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को खैरथल से सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ नो सीट बेल्ट, नो हेलमेट, नो एंट्री थीम पर आधारित जागरूकता पोस्टर का विमोचन कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित आमजन, वाहन चालकों एवं युवाओं को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई तथा सभी से यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग अपनाने का आह्वान किया। डॉ. मीणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा सप्ताह का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, जनहानि रोकना तथा आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, गति सीमा के पालन, नशे में वाहन नहीं चलाने तथा मोबाइल फोन के उपयोग से बचने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाकर सड़क दृश्यता बढ़ाने का संदेश दिया गया तथा सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जिले भर में जागरूकता रैलियाँ, विद्यालयों में कार्यक्रम, यातायात नियमों की जानकारी, पंपलेट वितरण एवं प्रचार गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी, ताकि सुरक्षित यातायात की संस्कृति विकसित हो और दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। इस दौरान जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

सर्द मौसम में बेघरों को सम्मानजनक आश्रय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जयपुर। (सफल राजस्थान) राजस्थान में शीतलहर और सर्दी आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है। कई शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे चला गया है। आगामी दिनों में सर्दी और बढ़ने के आसार हैं और यही मौसम की मार उन लोगों पर सबसे ज्यादा पड़ती है, जिनके पास सर छुपाने को छत नहीं होती। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार ऐसे जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक आश्रय देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार प्रदेश में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्व में संचालित दीनदयाल अन्त्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत, निर्मित स्थायी आश्रय स्थलों में शहरी बेघर व्यक्तियों को नि:शुल्क आश्रय तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है।

शीत लहर, बरसात और प्रचण्ड गर्मी के मौसम में प्रत्येक जरूरतमंद को आसरा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा राज्य के कुल 138 नगरीय निकायों में लगभग 12 हजार व्यक्तियों की क्षमता के 238 स्थायी आश्रय स्थल संचालित किए जा रहे है, जिनमें योजना के अनुरूप सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं जैसे स्वच्छ पानी, बिजली ,शौचालय, रसोई, गीजर आदि उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही कुल 109 नगरीय निकायों में आवश्यकतानुसार लगभग 9435 व्यक्तियों की क्षमता के 139 अस्थायी आश्रय स्थलों का संचालन भी किया जा रहा है। इन सभी अस्थायी आश्रय स्थलों में भी समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही है। राजस्थान के प्रत्येक नागरिक के बहुआयामी उत्थान व सर्वांगीण विकास के लिये मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चल रही अनेकों कल्याणकारी योजनाएं नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ कर रही है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 की शुरूआत में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए रैन बसेरों में रह रहे लोगों के बीच पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम पूछी थी। साथ ही उन्होंने सड़कों पर रह रहे निराश्रित लोगों को कंबल भी वितरित किए थे।

वैश्विक आयुष डब्ल्यूएचओ शिखर सम्मेलन 17 दिसंबर से

जयपुर। (सफल राजस्थान) आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 19 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वैश्विक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन वैज्ञानिक सत्यापन, डिजिटल स्वास्थ्य, जैव विविधता संरक्षण एवं पारंपरिक चिकित्सा में वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने पर केंद्रित होगा। इस वैश्विक शिखर सम्मेलन का शुभारम्भ केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव द्वारा किया जाएगा तथा समापन समारोह में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने की संभावना है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने बताया कि इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय संतुलन बहाल करना "स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान एवं अभ्यास निर्धारित किया गया है। इस वैश्विक आयोजन में विश्व के 113 से अधिक देशों से मंत्री, नीति निर्माता,स्वास्थ्य विशेषज्ञ, शोधकर्ता, उद्योग प्रतिनिधि एवं चिकित्सक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के चिकित्सकों का दल भी सहभागी होगा, जो दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा तैयार आयुष उत्पादों, उनकी उपयोगिता एवं वैज्ञानिक आयामों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने घोषणा की कि आयुष मंत्रालय भारत के विश्व प्रसिद्ध एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित औषधीय पौधे अश्वगंधा पर एक विशेष सत्र आयोजित करेगा। इसमें पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से लेकर आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में अश्वगंधा के प्रभाव और उपयोगिता पर विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

113 से अधिक देशों की सहभागिता के साथ यह शिखर सम्मेलन पारंपरिक, पूरक, एकीकृत एवं स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में साक्ष्य-आधारित, न्यायसंगत और सतत एकीकरण हेतु एक दशक-लंबी वैश्विक रूपरेखा निर्धारित करेगा।

पटवार भर्ती परीक्षा

2025 सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन

जयपुर। (सफल राजस्थान) पटवार भर्ती परीक्षा 2025 के तहत सफल रहे अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन कार्यक्रम के तहत रविवार को 1312 के मुकाबले 1116 व पूर्व में अनुपस्थित रहे 59 सहित कुल 1175 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन हुआ जबकि 196 अनुपस्थित रहे । यह जानकारी देते हुए उप निबंधक (भू अभिलेख) रवीन्द्र कुमार ने बताया कि गत 8 दिसम्बर से आरंभ हुए दस्तावेज सत्यापन कार्यक्रम के तहत 7410 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था जिसमें से कुल 6 हजार 284 सफल रहे अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन कार्य पूरा किया जा चुका है जबकि कुल 1126 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस सप्ताह भर के कार्यक्रम के दौरान दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया का राजस्व मंडल अध्यक्ष हेमन्त कुमार गेरा एवं निबन्धक महावीर प्रसाद द्वारा भी अवलोकन किया गया। दस्तावेज सत्यापन से वंचित रहे 1126 अभ्यर्थियों के लिए सोमवार, 15 दिसम्बर को दस्तावेज सत्यापन कराने का अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है।

परहित से बड़ा कोई धर्म नहींः केंद्रीय मंत्री मेघवाल

जयपुर। (सफल राजस्थान) एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बेसिक इंग्लिश स्कूल परिसर में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। मेघवाल ने कहा कि निरोगी काया ही सबसे बड़ा सुख है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वस्थ रहेंगे, तो देश स्वस्थ रहेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के संकल्प में सहायक सिद्ध होगा। मेघवाल ने एपेक्स हॉस्पिटल तथा कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्य की सराहना की और कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं होता। दूसरों की सेवा करने वाले व्यक्तियों को हमेशा याद रखा जाता है। कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक राजकुमार किराडू ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने समिति की गतिविधियों के बारे में कहा कि संस्था द्वारा 10 वर्षों से सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड केअध्यक्ष राम गोपाल सुथार, शिक्षाविद नारायण व्यास, गुमान सिंह राजपुरोहित, कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष कन्हैया लाल भाटी और विजय आचार्य आदि अतिथि के रूप में रहे। कम्यूनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री ने मेडिकल शिविर का मुआयना किया तथा चिकित्सा सेवा में लगे चिकित्सकों की हौसला अफजाई की।

भाजपा कार्यकर्ता सुनवाई 17 दिसंबर तक स्थगित

जयपुर। (सफल राजस्थान) भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित होने वाली कार्यकर्ता सुनवाई 17 दिसंबर 2025 तक स्थगित की गई है। पारीक ने बताया कि भजनलाल सरकार की सफलता दूसरी वर्षगांठ के आयोजनों के चलते पार्टी कार्यालय में होने वाली कार्यकर्ता सुनवाई तीन दिन के लिए स्थगित की गई है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय सचिव मुकेश पारीक ने बताया कि सरकार की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में उपस्थित रहेंगे तथा क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे अपने अपने क्षेत्र में जनसुनवाई भी करेंगे।

डॉ. कृति भारती इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड से सम्मानित

जोधपुर। (सफल राजस्थान) सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती को अंतरराष्ट्रीय ह्यूमन राइट्स दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित 15वीं इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 में इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2025 से नवाजा गया। अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद सहित विश्व की 250 संस्थाओं की भागीदारी भारत इस्लामिक कल्चरल सेंटर आयोजित सम्मान समारोह में विश्वभर के सामाजिक कार्यकर्ताओं व शख्सियतों को सम्मानित किया गया। जिसमें भारत से एक मात्र डॉ. कृति को बाल विवाह निरस्त एवं रोकथाम और बाल व महिला संरक्षण की प्रेरक साहसिक मुहिम के लिए सर्वोच्च अवॉर्ड दिया गया। इससे पूर्व डॉ. कृति भारती को विश्व स्तर पर जेनेवा स्विट्जरलैंड में ह्यूमन राइट्स अवार्ड 2022 और डॉ.लंदन और कोलंबो में भी पुरस्कृत किया जा चुका है। अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रता एवं सामाजिक न्याय परिषद और लंदन, बांग्लादेश व भारत की करीब 250 संस्थाओं की संयुक्त भागीदारी में विभिन्न कैटेगरीज में विश्व भर की नामचीन शख्सियतों को पुरस्कृत किया जाता है। जिसमें इस साल सर्वोच्च सम्मान इंटरनेशनल विमेन ऑफ करेज अवॉर्ड 2025 के लिए बीबीसी 100 प्रेरणादायी महिलाओं की सूची में शामिल डॉ. कृति भारती को चुना गया।

वहीं उदयपुर राजघराने के डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को ग्लोबल कल्चरल हेरिटेज फ़िलोंथ्रेपी अवॉर्ड, प्रसिद्ध ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मीनू वालिया, राष्ट्रपति अवॉर्डी दिव्यांग खिलाड़ी और अमेरिका की डॉ. लामिया सहित विश्व भर की अलग अलग कैटेगरी में अवॉर्ड से नवाजा गया।

मारवाड़ की धरती पर प्रवासी परिंदों का नया ठिकाना

जोधपुर। (सफल राजस्थान) राजस्थान का मारवाड़ क्षेत्र सदियों से प्रवासी पक्षियों का स्वर्ग रहा है। ठंड के मौसम में यूरेशिया के बर्फीले मैदानों से हजारों मील का सफर तय कर ये सुंदर परिंदे यहां आते हैं। फलोदी जिले के खींचन गांव तो डेमोइजेल क्रेन (स्थानीय भाषा में कुरजां) का विश्वविख्यात आश्रय स्थल है, जहां हर साल दस हजार से अधिक कुरजां का जमावड़ा लगता है, लेकिन इस प्रवास सीजन में मारवाड़ में एक दिलचस्प और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जोधपुर शहर और उसके आसपास के जल भराव क्षेत्रों में इस बार डेमोइजेल क्रेन की संख्या काफी कम रही है, लेकिन पहली बार कॉमन क्रेन (ग्रस ग्रस) के झुंड बड़ी संख्या में नजर आए हैं।

जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनवीयू) के वाइल्डलाइफ रिसर्च एंड कंजर्वेशन सेंटर के निदेशक डॉ. हेमसिंह गहलोत कहते हैं कि इस सीजन में डेमोइजेल क्रेन की संख्या कम जरूर है, लेकिन कॉमन क्रेन का पहली बार जोधपुर क्षेत्र में आगमन भविष्य के लिए बहुत शुभ है, जब कोई नई वन्यजीव प्रजाति किसी क्षेत्र में आकर ठहरने लगते है, तो धीरे-धीरे वह उसका स्थायी या नियमित आशियाना बन जाता है। इससे जैव विविधता बढ़ती है और पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होता है।

क्यों आते हैं ये प्रवासी परिंदे मारवाड़ में: डॉ. गहलोत के अनुसार, डेमोइजेल और कॉमन क्रेन दोनों ही सारस परिवार की प्रजातियां हैं, जो यूरेशियन क्षेत्र के पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में प्रजनन करती हैं। सर्दियों में जब वहां तापमान गिरता है और भोजन की कमी होती है, तो ये पक्षी कर्क रेखा के आसपास के गर्म और शुष्क क्षेत्रों की ओर प्रवास करते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर राजस्थान का मारवाड़ क्षेत्र, उनके लिए आदर्श होता है, क्योंकि यहां अनुकूल जलवायु, भरपूर भोजन (अनाज, कीड़े-मकोड़े) और सुरक्षित जलस्त्रोत उपलब्ध होते हैं।

डॉ. हेमसिंह गहलोत ने बताया कि जोधपुर के अलावा, बाड़मेर जिले के पचपदरा, पाली का सरदारसमंद जलाशय, जोधपुर के गुडा विश्नोईयां, खेजड़ली, सरेचा, शिकारगढ़, जाजीवाल, सतलाना और कई अन्य छोटे-बड़े तालाबों के किनारे ये परिंदे अक्सर दिखाई देते हैं। स्थानीय लोग और पक्षी प्रेमी इन जलस्त्रोतों की देखभाल करते हैं, जो इन प्रवासियों के लिए जीवनरेखा का काम करते हैं।

खींचन में बरकरार है कुरजां की रौनकः डॉ. गहलोत कहते हैं कि जोधपुर में डेमोइजेल क्रेन कम आई हैं, लेकिन फलोदी के पास खींचन गांव में इस बार भी कुरजां का मेले जैसा माहौल है। पिछले तीन महीनों से हजारों की संख्या में डेमोइजेल क्रेन यहां पहुंच रही हैं। गांव के तालाबों, खेतों और विशेष चुग्गा घरों में ये पक्षी सुबह-शाम दाना चुगते नजर आते हैं। इसे देखने के लिए देशी-विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में आ रहे हैं। रोजाना सैकड़ों लोग यहां पहुंचकर इन खूबसूरत परिंदों की तस्वीरें खींचते और उनका दीदार करते हैं।

कुरजां को दाना-पानी उपलब्ध कराने वाले स्थानीय सेवक सेवाराम माली बताते हैं कि इस बार भी हजारों कुरजां आई हुई हैं। हम लोग रोजाना उनके लिए बाजरा और अन्य अनाज का इंतजाम करते हैं। ये मार्च तक यहां रहेंगी और फिर वापस लौट जाएंगी।

संघ की 100 वर्षों की यात्रा राष्ट्र निर्माण में निर्णायकः सुनील आंबेकर

जयपुर। (सफल राजस्थान) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा है कि संघ की स्थापना डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने समाज को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से की थी और बीते 100 वर्षों में संघ ने इसी विचार के साथ निरंतर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि शाखाओं के माध्यम से अनुशासन, देशभक्ति और सेवा भाव का विकास किया गया, जिससे समाज में राष्ट्रीय चेतना का विस्तार हुआ। आंबेकर रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'भारत बोध' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन, देश विभाजन, आपातकाल और अलगाववाद के दौर में संघ स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका रही है। संघ के संस्थापक डॉ हेडगवार आजादी के आंदोलन में दो बार जेल गए।

उन्होंने कहा कि संघ राष्ट्र को राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक इकाई मानता है और समाज में स्वाभिमान, एकता व राष्ट्रीय चेतना के प्रसार पर बल देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से ही राष्ट्र निर्माण संभव है। संघ की शाखाओं में खेल, गीत, प्रार्थना और सामूहिक जीवन के जरिए सामान्य व्यक्ति में नेतृत्व क्षमता और सेवा भाव का विकास किया जाता है। संगठन में दायित्व पद की आकांक्षा के बजाय गुण, नीयत और कुशलता के आधार पर दिए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि हिंदुत्व राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक और मानव कल्याण की परंपरा है। उन्होंने देश में विभाजन और भ्रम फैलाने वाली शक्तियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताते हुए समाज की सक्रिय भूमिका को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि जागरूक और जिम्मेदार नागरिक भी इसकी मजबूत कड़ी हैं। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सतर्क रहने, गलत सूचनाओं को आगे न बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की अपील की गई। उन्होंने प्रबुद्ध और सक्षम वर्ग से आगे आकर समाज का नेतृत्व करने और लोगों को जोड़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि भारत को सैन्य, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से सशक्त बनाना होगा, ताकि कोई देश उसकी ओर टेढ़ी नजर न उठा सके। आत्मविश्वास से भरा समाज यदि विकास के पथ पर आगे बढ़ता है तो आने वाले 20 वर्ष राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

क्रीड़ा भारती के खिलाड़ियों ने मलखंभः क्रीड़ा भारती जयपुर की ओर से मलखंभ का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया और पारंपरिक खेल मलखंभ में अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने मलखंभ पर हैरतंगेज करतब दिखाए। उन्होंने संतुलन, शक्ति और लचीलेपन का परिचय देते हुए मलखंभ पर विभिन्न प्रकार के योगासन और कठिन मुद्राएं प्रस्तुत कीं, जिन्हें देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

कार्यक्रम में ज्ञान गंगा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक भारतीय पर्यावरण चिंतन का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के करकमलों द्वारा किया गया। इस पुस्तक में भारत के प्रतिष्ठित विद्वानों, चिंतकों और अनुभवी लेखकों के विचारोत्तेजक आलेख संकलित हैं। इनमें आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्र, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, श्री श्री रविशंकर, स्वामी अवधेशानंद गिरी, वेद मनीषी प्रो. दयानंद भार्गव, प्रो. बजरंग लाल गुप्त, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, अखिल भारतीय पर्यावरण संयोजक गोपाल आर्य, प्रख्यात लेखक प्रशांत पोल सहित अनेक विद्वानों के लेख शामिल हैं, जो पुस्तक को वैचारिक गहराई और व्यावहारिक उपयोगिता प्रदान करते हैं।

लोकसेवक द्वारा भ्रष्टाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं: मुख्यमंत्री

जयपुर। (सफल राजस्थान) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायक निधि में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित खबरों पर चिंता प्रकट करते हुए कहा है कि किसी भी लोकसेवक द्वारा भ्रष्टाचार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। दोषी पाए जाने पर ऐसे किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह व्यक्ति कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति पूर्णतः जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। जनधन के दुरुपयोग को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मुख्य सतर्कता आयुक्त (अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह) भास्कर सावंत की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित कर इस मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समिति में शासन सचिव पंचायती राज जोगाराम, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल को सदस्य एवं विशिष्ट शासन सचिव गृह विभाग श्री मनीष गोयल को सदस्य सचिव बनाया गया है। यह समिति 15 दिन में जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपेगी। जांच प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर खींवसर, हिण्डौन एवं बयाना विधानसभा क्षेत्रों के विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमएलए-लैड) खातों को फ्रीज कर दिया गया है। अब तक अभिशंषा किए गए और स्वीकृत समस्त कार्यों का क्रियान्वयन एवं भुगतान की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है।

चिकित्सा शिविर में सैकड़ो लोग होंगे लाभान्वित

जयपुर। (सफल राजस्थान) स्टार सोशल ग्रुप स्टार हॉस्पिटल प्रताप नगर सांगानेर एवं जयपुर की प्रबुद्ध जैन एवं एनजीओ के सहयोग से आगामी रविवार 21 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे जलेबी चौक गोविंद देव जी मंदिर पर विशाल वृद्धि जन सेवा शिविर लगाया जाएगा जिसमें वरिष्ठ नागरिक विशेषज्ञ डॉ. राकेश केदावत आए हुए गोविंद देव जी के भक्तों को जांच कर निःशुल्क दर्द का तेल, दर्द की दवाइयां एवं अन्य दवाइयां उपलब्ध कराएंगे। इस अवसर पर स्टार हॉस्पिटल प्रताप नगर सांगानेर केस्टार सोशल ग्रुप द्वारा डॉक्टर्स डे पर गोविंद देव जी मंदिर से प्रारंभ किया। स्वस्थ्य जयपुर ग्रीन जयपुर अभियान के तहत वर्ष पर अनेक कार्यक्रमों के जरिए 5000 से ज्यादा पौधे, जयपुर को प्रदूषण मुक्त करने के लिए बांटे गए। कार्यक्रम में समाजसेवी रामावतार गुप्ता, अखिल भारतीय वैश्य अग्रवाल महासभा के राजेंद्र मोदी, लखनऊ से आए विकास गोयल, एवं सोनू अग्रवाल पक्की भाई ली फाउंडेशन एवं उनके सदस्य, आनंद फाउंडेशन की रुचि साधवानी, पूजा शर्मा, पूजा चटकार, नीलम अग्रवाल, विमला कँवर, एवं अधिवक्ता गगन व चिकित्साकर्मी भाग लेंगे। डॉक्टर रेखा केदावत आए हुए सभी पर्यावरण प्रेमियों को एक-एक पुष्प का पौधा एवं ऑर्गेनिक सब्जियों के पौधे बांटे। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रदूषण के खिलाफ आप लोग घरों पर पौधे लगाए जिससे वातावरण प्रदूषित होने से बचे एवं बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागृति पैदा हो। पर्यावरण प्रेमियों को जयपुर इको आइकन अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा एवं सेवा शिविर में वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान कर चिकित्सा के साथ स्वास्थ्य सामग्री वितरित की जावेगी। रविवार को संडे सेवा क्लिनिक मे 200 से ज्यादा मरीज लाभान्वित हुए।

अब संबंधित ज़ोन कार्यालयों पर बनेंगे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

जयपुर। (सफल राजस्थान) आमजन की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए नगर निगम जयपुर ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है। अब शहर के नागरिकों को राजकीय अस्पतालों के जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नगर निगम मुख्यालय नहीं आना होगा। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर सोमवार से यह सुविधा नगर निगम के सभी 13 ज़ोन कार्यालयों में उपलब्ध होगी। पूर्व में केवल निजी अस्पतालों के जन्मङ्कमृत्यु प्रमाण पत्र ही संबंधित ज़ोन कार्यालयों से जारी होते थे, लेकिन अब शहर के सभी राजकीय एवं निजी अस्पतालों में जन्मे बच्चों तथा मृत्यु के मामलों के प्रमाण पत्र उसी ज़ोन कार्यालय से जारी किए जाएंगे, जिसके क्षेत्र में अस्पताल स्थित है। इससे नागरिकों का समय, पैसा और यात्रा दोनों की बचत होगी। आयुक्त डॉ. सैनी ने कहा कि यह कदम जनसुविधा को सरल एवं सुलभ बनाने की दिशा में बड़ा सुधार है। सभी ज़ोन कार्यालयों को निर्देशित किया गया है कि आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। इसके साथ ही, विवाह प्रमाण पत्र पूर्व की भांति जोन कार्यालय और नगर निगम मुख्यालय दोनों स्थानों पर बनाए जा सकेंगे। निगम रजिस्ट्रार विक्रम सिंह ने बताया कि जिन आवेदकों ने शुक्रवार तक जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए मुख्यालय पर आवेदन कर दिया है, उन्हें प्रमाण पत्र मुख्यालय से ही जारी किए जाएंगे।

हनुमानगढ़ मे आंदोलन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज घोर निंदनीयः मनोज दुबे

कोटा। (सफल राजस्थान) भारतीय राष्ट्रीय किसान महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज दुबे ने राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की टिब्बी में एथेनॉल फैक्ट्री के जहरीले प्रदूषण से जल,जीवन और जमीन बचाने के लिए आंदोलन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज की घोर निंदा की है।मनोज दुबे ने आंदोलनकारी किसानों पर झूठे मुक़दमे दर्ज कर किसानों की गिरफ्तारी को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

मनोज दुबे ने हनुमानगढ़ जिला कलेक्टर ओर एसपी को एपिओ किए जाने की मांग उठाते हुए कहा राजस्थान की भाजपा सरकार लाठी के दम पर किसानों के आंदोलन को बल पूर्वक कुचलना चाहती है। टिब्बी (हनुमानगढ़) मे किसानों पर हुआ बर्बर लाठीचार्ज घोर निंदनीय एवं बेहद शर्मनाक है। हनुमानगढ़ के टिब्बी में किसान आंदोलन पर पुलिस द्वारा प्रदेश सरकार के इशारे पर किया गया लाठीचार्ज लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। अपनी जायज मांग को लेकर आन्दोलित किसानों के प्रति भाजपा सरकार ने जिस प्रकार का रवैया दिखाया है, वो भाजपा सरकार के किसान विरोधी चेहरे को उजागर करता है। लोकतांत्रिक तरीके से उठी आवाज़ को बर्बरतापूर्ण ढ़ंग से कुचलना सत्ताधीशों के मंसूबों पर सवालिया निशान खड़े करता है।

मनोज दुबे ने राजस्थान सरकार से किसानों की जायज मांगो के अविलम्ब समाधान की मांग करते हुए कहा की लाठीचार्ज में हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे अनेकों किसानों और कई जनप्रतिनि घायल हुए है। संगरिया विधायक अभिमन्यू पूनियां को भी गंभीर चोटें आई हैं। ईश्वर से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है।

श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण क्रिकेट प्रतियोगिता 21 दिसंबर से शुरू

जयपुर। (सफल राजस्थान) सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से 21 दिसंबर से एक भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन चौमूं में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर की 32 टीमें भाग लेंगी। सभी मुकाबले वीर तेजाजी क्रिकेट स्टेडियम, जैतपुरा में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए टीमों के ड्रॉ निकाले गए और आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन किया गया। ड्रॉ कार्यक्रम के अनुसार प्रतियोगिता का पहला मुकाबला राज नवलपुरा और सबलपुरा की टीमों के बीच खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता लीग स्टेज के आधार पर आयोजित की जाएगी। जिसमें 32 टीमों को 4 ग्रुपों में बांटा गया है। लीग मुकाबलों के बाद आगे की प्रतियोगिताएं होंगी। आयोजकों के अनुसार, मुख्य प्रतियोगिता की विजेता टीम को 1 लाख 51 हजार रुपये और उपविजेता को 71 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त पूर्व में हुई ओपन रात्रिकालीन प्रतियोगिता की शीर्ष 16 टीमों के बीच भी मुकाबले होंगे। इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख 51 हजार रुपए और उपविजेता को 51 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस श्रेणी के सभी मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। वहीं मोरीजा के पूर्व सरपंच बलवीर बागड़ा ने आयोजन समिति की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रतियोगिता पूरी तरह अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएगी। सर्व ब्राह्मण महासभा खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राकेश शर्मा ने खिलाड़ियों से खेल को अनुशासन और खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया।

आरसीए अंडर-14 टूर्नामेंट में पाली की दो टीमों का विवाद

आखिरी समय बदली टीम, खिलाड़ी-परिजन हो रहे परेशान

जयपुर। (सफल राजस्थान) राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अंडर-14 टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही पाली जिला क्रिकेट संघ की दो टीमों ने प्रदेश के युवा खिलाड़ियों की परेशानी बढ़ा दी है। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी और उनके परिजन राजस्थान सरकार और खेल विभाग से लापरवाही के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदेश में अंडर-14 टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए जिला स्तर पर ट्रायल की शुरुआत की गई है। पाली जिला क्रिकेट संघ द्वारा भी पिछले दिनों ट्रायल का आयोजन कर टीम का सिलेक्शन किया गया।

पाली से 2 टीमें पहुंची जोधपुरः अब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा पाली में अंडर-14 टूर्नामेंट टीम सिलेक्शन के लिए सुनील भंडारी को जिला संयोजन बना दिया गया। इसके बाद अब पाली से अंडर-14 टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए 2 टीम जोधपुर पहुंच गई है। इसके बाद अब पिछले लंबे समय से टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे खिलाड़ी और उनके परिजन काफी परेशान हैं।

खिलाड़ियों का आरोप- अंतिम समय में टीम से निकालाः परेशान खिलाड़ियों ने कहा- राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा न जाने किस दबाव में ऐसी मनमानी की गई है। इसकी वजह से हम जैसे खिलाड़ियों को परेशान होना पड़ रहा है। जबकि हम एक महीने से पाली में अंडर-14 टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे थे। लेकिन आखिरी समय पर हमें टीम से बाहर निकाल दिया। खिलाड़ियों का आरोप है कि उन खिलाड़ियों को टीम में शामिल कर लिया, जिन्हें ठीक ढंग से बल्ला तक पकड़ना नहीं आता है। खिलाड़ियों ने कहा- अगर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को अपने फैसले पर इतना यकीन है तो वह हमारा मैच उनकी टीम से करवा दे। अगर वह टीम जीत जाए तो उसे अंडर-14 टूर्नामेंट भी खेलने दिया जाए। लेकिन हमें उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूरा विश्वास है कि हम ही मैच जीतेंगे। क्योंकि हम लोग कागज के नहीं, मैदान के खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों के पैरेंट्स ने कहा- हमारे बच्चों को परेशान किया जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की अंदरूनी खींचतान की वजह से आज 14 साल के बच्चे जोधपुर में सर्दी के मौसम में परेशान हो रहे हैं।

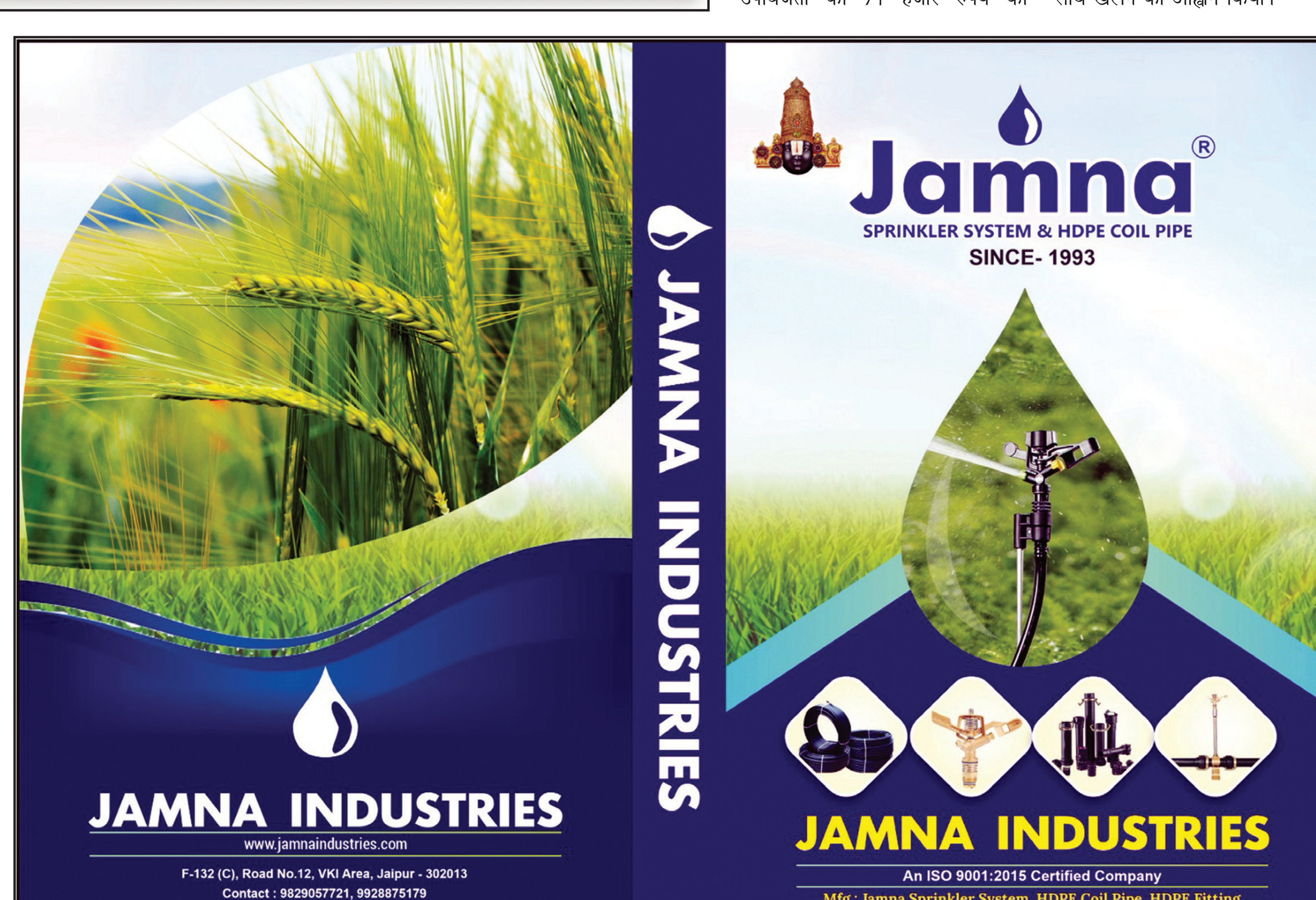

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के.प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर से मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार(सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर - 302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail .com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 9214466661